卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 190 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦ 20 अप्रैल 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

गरीबों पर आग का कहर, कई झोपड़ियां हुई राख

बनभूलपुरा क्षेत्र में आग की भेंट चढी करीब बीस झोपड़ियां, देर रात अग्निकाण्ड से मची चीख पुकार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। देर रात बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में हुए एक बड़े अग्निकांड में गरीब परिवारों की कई झोपड़ियां जल कर खाक हो गई। रेलवे फाटक किनारे बनी झुग्गी झोपड़ियों के रात चली तेज हवाओं के साथ आग धधक पड़ी। जिससे पॉलीथिन, लकड़ी और टीन की बनी झुग्गियां एक- एक कर जलने लगी। जिसके बाद चारों ओर चीख पुकार की आवाजे होने लगी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे दमकल, पुलिस और स्थानीय लोगों की घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि अग्निकांड की इस घटना में किसी की जान नही गई, लेकिन 15 से 20 झोपड़ियो और माल का भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार चोरगलिया रोड में रेलवे क्रोसिंग के पास चिराग अली शाह बाबा की दरगाह के पास पॉलीथिन, लकड़ी और टीन की बनी झुग्गी झोपड़ियों में देर रात अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई। इस जमीन पर पहले बुध बाजार लगती थी। जिस वक्त यह घटना हुई, लगभग तूफानी हवाएं चल रही थीं। आग ने देखते देखते कई झोपडियों को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई और चारों ओर अफरा तफरी का माहौल हो गया। बच्चे, महिलाएं और पुरुष चीखते पुकारते यहां वहां भागने लगे। सूचना मिलते ही एक के बाद एक दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां पहुंच गईं। वहीं स्थानीय लोगों और सीओ सिटी नितिन लोहनी, कोतवाल उमेश मलिक समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। सबकी घंटों मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया जा रहा है कि आग से राज मिस्त्री कल्लू के घर में रखी 25 हजार की नगदी, बिस्तर, कपडे व अन्य सारा सामान जलकर राख हो गया। इनके पड़ोसी अनवर, सैलून, मुन्ना, मोबीन की भी झोपड़ी जली है। राजू गोंडा का रहने वाला है यह अपने मूल निवास वोट डालने गया है। आज प्रात: विधायक सुमित हृदयेश सहित विभिन्न दलों के कई नेताओं व प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात कर घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त कर शासन से उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया।

मासूम बच्ची की कातिल सौतेली मां को भेजा जेल

बोरी में भरकर जमीन में कर दिया था जिंदा दफन

काशीपुर(उद संवाददाता)। आईटीआई थाना क्षेत्र के खड़कपुर देवीपुरा (लाइन पार) इलाके में 8 वर्षीय मासूम बच्ची के हाथ पैर बांधकर जमीन में जिंदा दफन कर देने वाली घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए कलयुगी सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्राधिकारी ने सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि बिन मां की बच्चियों से सौतेली मां ईर्ष्या रखती थी। कत्ल के जुर्म में पकड़ी गई लक्ष्मी के पति मोनू के मुताबिक जब वह घर से चला जाता था उसकी दूसरी पत्नी पहली पत्नी के बेटियों को बुरी तरह प्रताड़ित किया करती थी। बताया जा रहा है कि मोनू अक्सर कहां करता था कि वह अपनी चल अचल संपत्ति को बेटियों के नाम कर देगा यही कारण है कि सौतेली मां को मासूम बच्चियों से जलन होने लगी। उसने मन ही मन बेटियों को मौत के घाट उतारने का मन बनाया और हिंसक षड्यंत्र के तहत उसे अंजाम दे डाला। फिलहाल पुलिस ने कत्ल के जुर्म में गिरफ्तार महिला को धारा 302 आईपीसी के अंतर्गत जरूरी पूछताछ के बाद जेल रवाना कर दिया।

मजदूरी के लिए निकले युवक की हाईवे पर मिली लाश

- हत्या की आशंका
- परिवार में कोहराम

काशीपुर/कुंडा। घर से मजदूरी के लिए निकले एक युवक का शव आज सुबह जसपुर रोड पर हाईवे किनारे पड़ा पाया गया। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने पर उसने तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के उपरांत उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले को दुर्घटना से जोड़कर देख रही है तो वहीं मृतक परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। जानकारी के मुताबिक शिवराजपुर पट्टी थाना कुंडा निवासी जितेंद्र कुमार 25 वर्ष पुत्र नरेश कुमार बाजपुर रोड स्थित एक सरिया फैक्ट्री में मजदूरी किया करता है। बताया गया कि गत शुक्रवार की सुबह लगभग 10:30 बजे पड़ोस में रहने वाला विश्वास कुमार व एक अन्य जितेंद्र के घर पहुंचे और काम करने की बात कह कर उसे मोटरसाइकिल पर अपने साथ ले गए। देर रात तक जब जितेंद्र घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों को इसकी चिंता सताने लगी। उन्होंने तमाम संभावित स्थानों पर जितेंद्र की तलाश किया (शेष पृष्ठ सता पर)

साथ ले जाने वाले युवक हैं लापता

काशीपुर। मृतक जितेंद्र पड़ोस में रहने विश्वास नामक जिस युवक के साथ बाइक पर सवार होकर घर से काम करने के लिए निकला था उसका अब तक कहीं कोई पता नहीं चला। खबर लिखे जाने तक विश्वास वापस घर नहीं लौटा। उसका मोबाइल भी बंद जा रहा है। उसके साथ जो एक और अन्य शख्स था मृतक परिजन उसे नया चेहरा बता रहे हैं। फिलहाल काबिले गौर बात यह है कि सुबह 10:30 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर दोस्तों के साथ निकला जितेंद्र आखिर देर रात जसपुर रोड पर कैसे पहुंच गया और उसके दोनों साथी आखिर अब तक कहां गायब है? सुबह से निकला मृतक पूरे दिन साथियों के साथ कहां रहा यह तमाम सवाल ऐसे हैं जिनका पुलिस के पास फिलहाल अभी कोई जवाब नहीं है।

विवाह समारोह में वर वधू पक्ष के लोग भिड़े, कई घायल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।गत रात्रि मौहल्ला रविन्द्रनगर में आयोजित वैवाहिक समारोह के दौरान डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ युवकों द्वारा वर पक्ष के लोगों के साथ जमकर मारपीट कर दी गई। जिससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। महिलाओं की मदद के लिए चीखने चिल्लाने की आवाजें आने लगी। मारपीट की इस घटना में महिलाओं सहित करीब एक दर्जन लोगों को चोटें आ गईं। इधर घायल महिलाओं ने हमलावर युवकों पर मोबाईल व पहने हुए जेवर भी लूट ले जाने का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों पक्षों को तितर बितर कर सभी घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय भिजवाया। जानकारी के अनुसार गैस एजेन्सी किच्छा निवासी सन्नी का विवाह मौहल्ला रविन्द्र नगर निवासी संगीता पुत्री राजेन्द्र के साथ तय हुआ था। गत रात्रि करीब साढ़े आठ बजे वर पक्ष के लोग श्याम टाकीज रोड़ पर वधू के आवास पर बारात लेकर आये हुए थे। कार्यक्रम में डीजे भी बज रहा था और कुछ युवक डीजे पर डांस कर रहे थे। जब वर पक्ष के लोग वधू पक्ष के लिए लाये शगुन का सामान खोल रहे थे इसी दौरान डीजे पर डांस कर रहे (शेष पृष्ठ सता पर)

गेट पर गिर पड़े बुग्गी के दोनों घोड़े

रूद्रपुर। बारात जब वधू के रविन्द्रनगर स्थित आवास के गेट के पास पहुंची तो सज धज कर बुग्गी पर बैठे दुल्हे के आगे बाराती बैंड बाजे की धुन पर डांस कर रहे थे। इसी बीच बुग्गी के दोनों घोड़े अचानक लड़खडाकर गिर गये। जिस पर दूल्हे ने किसी तरह खुद को गिरने से बचा तो लिया लेकिन मौके पर अफरा तफरी मच गई। काफी प्रयासों के बाद भी दोनों घोड़ों को उठाया गया। (शेष पृष्ठ सता पर)

सिडकुल में 'वसूली' को लेकर फिर विवादों में विधायक शिव

वायरल ऑडियो में विधायक के नाम पर की जा रही हिस्सेदारी की मांग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। सिडकुल की कंपनियों में वसूली को लेकर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा का नाम एक बार फिर चर्चा में है। पूर्व में भी उन पर इस तरह के आरोप पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल लगा चुके हैं, अब वायरल हो रही एक ऑडियो ने विधायक शिव अरोरा को एक बार फिर विवादों में खड़ा कर दिया है। ऑडियो में विधायक के नाम पर सिडकुल की कंपनियों में हिस्सेदारी की खुली मांग की जा रही है। मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक विधायक के करीबी भाजपा नेता किरन विर्क और सिडकुल के ठेकेदार एवं पूर्व सभासद राजेश सिंह के बीच बातचीत का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आडियो में ठेकेदार राजेश सिंह किरन विर्क से शिकायत करते हैं कि जिस कंपनी में उन्होंने स्क्रैप का काम लिया है वहां कुछ लोग आकर कमीशन के नाम पर उसे परेशान कर रहे हैं। जिस पर दूसरी तरफ से किरन विर्क साफ-साफ कहते हैं कि उस कंपनी में हमारा यानि विधायक जी का 33 प्रतिशत हिस्सा है। जो पहले से ही चलता आ रहा है। ऑडियो में किरन विर्क ठेकेदार से विधायक के नाम पर 33 प्रतिशत हिस्से की मांग कर रहे हैं। बातचीत में किरन विर्क इस हिस्सेदारी में शामिल कुछ लोगों के नाम भी गिनाते हैं। ऑडियो में विर्क साफ साफ कह रहे हैं कि यह सब विधायक जी के संज्ञान में है और पहले से ही चला आ रहा है। काम करना है तो 33 प्रतिशत देना ही होगा। इसमें कोई किंतु (शेष पृष्ठ सता पर)

सिडकुल में वसूली का चल रहा बड़ा खेल: ठुकराल

रूद्रपुर। विधायक के नाम पर वसूली का ऑडियो वायरल होने के बाद पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने इस पर कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि वसूली के लिए यहां इस्ट इंडिया कंपनी आने वाली है। आज एक सूत्रीय कार्यक्रम चल रहा है कि कैसे ब्लैकमेलिंग करके पैसा अर्जित किया जाये। इसमें पुलिस के कुछ अधिकारी भी मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में विधायक जिसके माध्यम से वसूली करा रहे थे वह आज जेल में है। अब नये सिरे से किसी और को वसूली का चार्ज दिया गया है। ठुकराल ने कहा कि वह दस साल तक विधायक रहे लेकिन सिडकुल में किसी का शोषण (शेष पृष्ठ सता पर)

दिग्गजों के साथ डबल इंजन सरकार की भी प्रतिष्ठा दांव पर

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर जताया मतदाताओं का आभार

देहरादून(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड में शुक्रवार को मतदान का महापर्व कई दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला भी करने जा रहा है। वहीं प्रदेश की सत्तासीन भाजपा की डबल इंजन सरकार के दावों को लेकर भी मतदाताओं का रूझान सरकार का सिासी भविष्य तय करेगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के अंतर्गत राज्य में आज प्रथम चरण में संपन्न हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने अमूल्य मत का प्रयोग करने वाले सभी सम्मानित मतदाताओं का सहृदय आभार ।जिस प्रकार देवभूमि उत्तराखण्ड में युवाओं, मातृशक्ति और वरिष्ठजनों ने मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया वह आदरणीय मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के प्रति जनउत्साह को परिलक्षित करता है। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में सम्मिलित केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट , पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यसमिति के सदस्य गणेश गोदियाल का भाग्य शुक्रवार को ईवीएम में बंद हो जाएगा। मतदाताओं ने इन दिग्गजों को लेकर क्या निर्णय सुनाया, इसकी जानकारी चार जून को चुनाव परिणाम की घोषणा के साथ सामने आ सकेगी। लोकसभा के चुनावी संग्राम में उत्तराखंड की पांच सीटों पर राजनीतिक दलों और उनके प्रत्याशियों की हार-जीत का निर्धारण शुक्रवार को हो जाएगा। प्रदेश के 83.37 लाख मतदाता मतदान कर राष्ट्रीय राजनीति में राजनीतिक दलों और उनके प्रत्याशियों का भविष्य तय करने में भूमिका निभाएंगे। प्रदेश की पांच लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। इस चुनाव में दोनों दलों ने प्रत्याशियों के चयन में जिन सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखा, वे लगभग समान ही रहे हैं। भाजपा ने पांच में से एक सीट महिला के खाते में रखी है। चुनाव में इस बार कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है। मोदी कैबिनेट का हिस्सा केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट नैनीताल-ऊधमसिंहनगर लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार चुनाव मैदान में हैं। अजय भट्ट प्रदेश में भाजपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं। उनके सामने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी चुनाव मैदान में हैं। इस चुनाव में अजय भट्ट की साख भी दांव पर है। गढ़वाल संसदीय सीट पर भाजपा ने इस बार नए चेहरे के रूप में पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी पर दांव आजमाया है। बलूनी के भाजपा के शीर्ष नेताओं से करीबी संबंध हैं। भाजपा और बलूनी, दोनों के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। इस सीट पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य गणेश गोदियाल भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी को टक्कर दे रहे हैं। यह सीट कांग्रेस के लिए भी प्रतिष्ठा का सबब बन गई है। मतदाता जीत का सेहरा किस के सिर बांधते हैं, यह शुक्रवार को तय हो जाएगा। हरिद्वार लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हैं। सत्तारूढ़ दल ने इस सीट से सांसद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के स्थान पर त्रिवेंद्र सिंह रावत पर भरोसा किया है। यह चुनाव भाजपा और त्रिवेंद्र, दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। त्रिवेंद्र के मुकाबले के लिए कांग्रेस ने इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र सिंह रावत को आगे किया है। वीरेंद्र के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के लिए भी यह चुनाव प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। वहीं अल्मोड़ा लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा चुनाव मैदान में हैं। उन्हें कांग्रेस के प्रत्याशी और पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा से चुनौती मिल रही है। दोनों नेताओं के लिए यह उनकी साख का चुनाव बन चुका है। टिहरी लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बाद भाजपा सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह को पार्टी ने चौथी बार चुनाव मैदान में उतारा है। शाह के सामने इस सीट पर जीत का क्रम बरकरार रखने की चुनौती है। वहीं कांग्रेस ने इस सीट से पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला को भाजपा को चुनौती देने के लिए मैदान में उतारा है।

मतदान के बाद सीएम ने खाई जलेबी,कार्यकर्ताओं से मिले

खटीमा(उद संवाददाता)। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। लोकतंत्र के इस पर्व के लिए आम से लेकर खास तक हर कोई उत्साहित नजर आया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अपने परिवार के साथ खटीमा में स्थित नगरा तराई मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। मतदान के दौरान सीएम धामी आम जनता की तरह ही लाइन में खड़े होकर मतदान करते हुए नजर आए। सीएम धामी ने वोट डालने के बाद लोगों से अपील की कि आप भी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बड़ी संख्या में मतदान करें। सीएम धामी ने विशेषकर पहली बार वोट डाल रहे युवाओं से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें। सीएम ने पहले मतदान, फिर जलपान का संदेश देते हुए मतदान के बाद अपने परिजनों के साथ जलेबी खाते हुए नजर आए। मतदान के बाद सीएम धामी ने विभिन्न बूथों पर जाकर मतदान का जायजा लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं से भेंट कर लोकसभा चुनाव में उनके द्वारा किए गए अथक परिश्रम की सराहना भी की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम से लेकर खास सभी लोगों से मुलाकात की। इसके साथ ही मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक भी किया। सीएम ने कहा पूरे प्रदेश में मतदान को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हम सभी को सशक्त राष्ट्र, सीमाओं की बेहतर सुरक्षा, गरीबों के उत्थान और देश के विकास के लिए मतदान अवश्य करना चहिए।

बूथों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

गदरपुर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव में आ रही छोटी-मोटी शिकायतों के बाद उप जिलाधिकारी गौरव पांडे गदरपुर के कन्या इंटर कॉलेज बूथ पर पहुंचे जहां बूथों के अंदर वोटर के पास आईडी प्रूफ की फोटो कॉपी होने के बाद भी वोट ना डालना जैसी अन्य समस्याओं के बारे में उप जिलाधिकारी गौरव पांडे पीठासीन

अधिकारी और अन्य कर्मचारियों को जानकारी दे रही थे कि वोटर की किसी पर्ची में कोई हल्का सा इशू आ रहा है। भाजपा और कांग्रेस के एजेंट अगर संतुष्ट हैं और आप भी उस वोटर का मिलान कर पा रहे हैं तो उसे वोट डालने दे दिया जाए। यहां पर सभी प्रशासन आम जनता की सहूलियत/सेवा के लिए बैठा है ना कि उन्हें परेशान करने के लिए।

डीएम वंदना ने मतदान के दौरान बढ़ाया मतदान कर्मियों का हौसला

हल्द्वानी। उत्तराखंड की पांचों सीटों के लिए मतदान को लेकर रिटर्निंग अधिकारियों ने मतदान की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। वहीं नैनीताल की जिलाधिकारी एंव जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना सिंह ने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान बूथों का निरीक्षण करने पहुंची जिलाधिकारी वंदना सिंह ने मतदान कार्मिकों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया, इस दौरान मीडिया से बात करते हुए जिलाधिकारी वंदना सिंह ने कहा कि जिले की सभी 6 विधानसभा सीटों में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ है। शुरुआत में मॉक पोल और वास्तविक पोलिंग के दौरान कई जगह ईवीएम में टेक्निकल दिक्कत आई थी जिनको तत्काल सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट के माध्यम से दूर किया गया। जिलाधिकारी ने कहा पूरे जिले में शांतिपूर्ण निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान चल रहा है,सभी को मताधिकार का प्रयोग करना चाहिये।

ट्रैक्टर ट्राली नहर में पलटने से 150 कुंतल गेहूं हुआ बर्बाद

गदरपुर(उद संवाददाता)। बलराम नगर बायपास रोड के निकट नहर में गेहूं से लदी हुई ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 150 कुंतल गेहूं बर्बाद हो गया जिसकी कीमत सवा लाख रुपए बताई जा रही है । प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरविंदर सिंह गोजी बिलासपुर के रहने वाले किसान द्वारा साइन एग्रो सीट्स पर ट्रैक्टर ट्राली में लादकर गेहूं लाया जा रहा था, बाईपास से नीचे उतरते ही नदी में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से डेढ़ सौ कुंतल गेहूं का नुकसान हो गया जिसकी कीमत सवा लाख रुपए बताई जा रही है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है ।

मतदान के रूझान का आंकलन करने में जुटे राजनीतिक दल

हरिद्वार सीट पर 59.1, पौड़ी सीट पर 48.79 और टिहरी सीट पर हुआ 51.28 प्रतिशत मतदान
कुमाऊ की नैनीताल सीट पर 59.36 और अल्मोड़ा सीट पर 44.43 प्रतिशन हुआ मतदान

देहरादून। शुक्रवार को मतदान के साथ ही इन सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। इस बार चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा था। मुख्य राज्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मतदान बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए, लेकिन इन्हें सफलता मिलती नजर नहीं आई। पर्वतीय क्षेत्र बहुल इस सीट पर मतदान पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी घटा है। प्रदेश के जनपदों में उत्तरकाशी - 52.3 चमोली - 49.36 रुद्रप्रयाग - 54.02 टिहरी - 40.93 देहरादून - 55.85 हरिद्वार - 61.34 पौड़ी - 46.42 पिथौरागढ़ - 45.85 बागेश्वर - 45.08 अल्मोड़ा - 40.87 चंपावत - 50.45 नैनीताल - 56.02 प्रतिशत मतदान हुआ है। टिहरी गढ़वाल संसदीय सीट पर पिछले चुनाव में 58.87 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस बार इससे आगे बढ़ने का लक्ष्य था। शुक्रवार सुबह जब मतदान शुरू हुआ और पहले तीन घंटों के रुझान आए, उससे उम्मीद अवश्य बढ़ी, लेकिन शाम पांच बजे तक मतदान 51.28 प्रतिशत के आंकड़े तक ही पहुंच पाया। तीन जिलों उत्तरकाशी, टिहरी व देहरादून के 14 विधानसभा क्षेत्र इस संसदीय सीट के अंतर्गत हैं। विधानसभा की 11 सीटें भाजपा, दो सीटें कांग्रेस और एक निर्दलीय के पास हैं। लोकसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्रवार मतदान पर नजर दौड़ाएं तो मैदानी स्वरूप वाले क्षेत्रों में अधिक मतदान हुआ, जबकि पर्वतीय क्षेत्र में कम। मतदाताओं की इस व्यवहार से प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों की चिंता में भी इजाफा कर दिया है। अब सभी अपने-अपने हिसाब से इसके कारणों के आकलन में जुटे हैं। विस क्षेत्रवार मतदान के अनुसार विकासनगर 62.50 सहसपुर61.20 रायपुर 53.00 राजपुर रोड 49.38 देहरादून कैंट 49.80 मसूरी (आंशिक) 52.00 चकराता 50.50 धनोल्टी 45.26 गंगोत्री 51.25 घनसाली 39.50 प्रतापनगर 37.41 पुरोला53.70 टिहरी 44.16 यमुनोत्री 52.10 प्रतिशन मतदान हुआ है। हरिद्वार लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हैं। सत्तारूढ़ दल ने इस सीट से सांसद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के स्थान पर त्रिवेंद्र सिंह रावत पर भरोसा किया है। त्रिवेंद्र के मुकाबले के लिए कांग्रेस ने इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र सिंह रावत को प्रत्याशी बनाया है। हरिद्वार लोकसभा का विधानसभा वार मतदान प्रतिशत: भगवानपुर - 69.58%, बीएच ई एल - 60.00%, धर्मपुर - 51.80%, डोईवाला - 57.45%, हरिद्वार - 54.84%, हरिद्वार ग्रामीण - 73.21%, झबरेड़ा - 67.00%, ज्वालापुर - 69.50%, खानपुर - 68.45%, लक्सर - 72.00%, मंगलौर - 63.20%, पीरान कलियर - 70.01%, ऋषिकेश - 51.80% , रूडकी - 59.40% मतदान हुआ है। पौड़ी गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में इस बार मतदान जिस प्रकार घटा है, उसने राजनीतिक दलों को भी चौंका दिया है। रामनगर विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 60.82 प्रतिशत मतदान हुआ। कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र 58.80 प्रतिशत मतदान के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 37.60 प्रतिशत मतदाताओं ने ही मतदान में रुचि दिखाई। गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में 13 प्रत्याशी चुनाव में भाग्य आजमा रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस संसदीय क्षेत्र में कुल मतदान 55.17 प्रतिशत था। इस बार यह घटकर 48.81 प्रतिशत रह गया है। मतदान की यह जानकारी अभी अनंतिम है। दूरस्थ क्षेत्रों से आंकड़े उपलब्ध होने के बाद ही तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पांच विधानसभा क्षेत्रों में मतदान 37 प्रतिशत से 42 प्रतिशत के बीच सिमट गया। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 37.60 प्रतिशत मतदान हुआ। गढ़वाल संसदीय सीट के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रवार बद्रीनाथ 51.50 चौबट्टाखाल 40.62 देवप्रयाग 37.60 कर्णप्रयाग 50.40 केदारनाथ 55.18 कोटद्वार 58.50 लैंसडौन 39.10 नरेंद्रनगर 45 पौड़ी 40.02 रामनगर 60.82 रुद्रप्रयाग 53.02 श्रीनगर 53 थराली 46.30 यमकेश्वर 41.50 प्रतिशन मतदान हुआ।

उसे भी खूब मारती हैं मम्मी, सोनी को मम्मी और दो लोग मार रहे थे

सहमी मासूम बेटी ने बतायी सौतेली बेटी की कातिल मां की बर्बरता की दास्ता

काशीपुर। काशीपुर में एक सौतेली मां ने अपनी आठ वर्षीय बेटी की बर्बरता पूर्वक हत्या कर उसका शव घर के सामने एक खाली मकान में गड्ढा खोदकर दबा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को

जिसे हत्या की धाराओं में तरमीम कर दिया है। शुक्रवार को दोपहर बाद डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम कर बताया कि मासूम सोनी के शरीर पर चोंट और गले में रस्सी के निशान हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों के मुताबिक ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पहले उसे बेरहमी से पीटा और फिर गला घोटा होगा। वहीं मासूम के नाजुक अंग की स्लाइड भी जांच के लिए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इससे पहले पिता ने आईटीआई थाना में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी भेजी जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि कहीं उसके साथ कोई अनुचित व्यवहार न हुआ हो। घर में मौजूद तीन वर्षीय लक्ष्मी की बेटी देविका से जब समाजसेवी सरोज ठाकुर ने पूछा कि सोनी को कैसे मारा, तब देविका ने सहमी आवाज में बताया कि उसकी बहन सोनी चिल्ला रही थी, मम्मी और दो लोग मार रहे थे। मेरी मम्मी ने उसे मार दिया। देविका ने वह कमरा भी दिखाया जिसमें पहले सोनी को मारा-पीटा गया था। मासूम ने बताया मम्मी उसे भी खूब मारती हैं। वहीं इस हादसे से घर के बच्चों के साथ जो बच्चियां कन्या पूजन में सोनी के साथ थीं वह भी डरी-सहमी हैं। वहीं सोनी की सगी छोटी बहन तनु अपनी बुआ का पास रहती है। वहीं, सोनी के पिता मोनू कुमार ने बताया कि पहली पत्नी की मौत के बाद यह सोचकर उसने दूसरी शादी की थी कि उसकी बिन मां की दोनों बच्चियों को ममता का आंचल मिल जाएगा। लेकिन उसे क्या पता था कि जिसे वह बेटियों की परवरिश की जिम्मेदारी सौंप रही है, वह ही उसकी लाडली को मौत की नींद सुला देगी। मृतक सोनी के पिता मोनू कुमार ने बताया कि सोनी परिवार की बड़ी बेटी थी। वह उनकी और दादी की चहेती थी जिसके चलते उसकी दूसरी पत्नी लक्ष्मी द्वेष भावना रखती थी। अक्सर पहली पत्नी रीना की दोनों बेटी सोनी और तनु को लेकर झगड़ा होता रहता था। मोनू ने बताया कि वह कहती थी तुम लोग मेरे बेटे और बेटी से कम प्यार करते हो। शायद इसी चलते उसने उसकी लाडली बेटी की निर्ममता से हत्या कर दी।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, शुक्राणुओं की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHVINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी डी । डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट
डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159
☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।

गौशाला में आग से बछड़ा जिंदा जला, भूसा और अनाज हुआ राख

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। ग्राम तिलियापुर में कल देर रात लगभग 10 बजे अचानक गौ शाला और भूसाघर में आग लगने से बछड़ा जलकर मर गया जबकि गाय बुरी तरह झुलस गयी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को देर रात हरेंद्र चौहान पुत्र राम बदन चौहान की गौशाला में अचानक भीषण आग लग गई।जिससे गौशाला में बंधी गाय बुरी तरह झुलस गई। गाय के साथ बछडा खूंटे में बधे होने के कारण मौके पर ही जलकर मर गया जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचते तब तक खूंठे से बधे बछड़े ने दम तोड दिया। ग्रामीणों की मदद से गाय और घर के अन्य सामान बचा लिया गया गया। गाय का उपचार पशु चिकित्साधिकारी शक्ति फार्म डा0 पंत द्वारा किया जा रहा

है।भूसे में रखे 1 कुंटल गेहूं और ढेड़ कुंटल धान और घर में लगी बिजली मीटर भी जलकर राख हो गयी। ग्रामीणों की मदद से आग पर बड़ी मुश्किल से काबू पाया गया। प्रधान की सूचना पर पटवारी ने निरीक्षण किया है।

वैद्य बालेन्दु प्रकाश प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

वर्ष 1999 चिकित्सा के क्षेत्र में सबसे कम आयु में पद्मश्री से अलंकृत किए थे, विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित कर चुके है 41 शोध पत्र

गदरपुर(उद संवाददाता)। नई शिक्षा नीति के तहत विकसित देशों की तर्ज पर विश्वविद्यालय आयोग द्वारा केंद्रीय विश्विद्यालयों में उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस नियम के अंतर्गत अनुभवी पेशेवर लोगो की नियुक्ति का आदेश पारित किया गया है। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिसश वह लोग हैं जो प्रारंभिक व्यवसाय से शिक्षक नहीं है और न ही उन्होंने शिक्षण के लिए पीएचडी की है। बावजूद इसके उनके प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर उन्हें कॉलेजों में छात्रों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किया जा सकता है। यह प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस छात्रों को वह विषय पढ़ाएंगे जिसमें उनका लंबा प्रोफेशनल अनुभव है। हालांकि इस योजना के तहत

विभिन्न कार्य क्षेत्रों से आने वाले प्रोफेशनल को कम से कम 15 वर्षों का अनुभव होना चाहिए।इसी क्रम में वर्तमान में उत्तराखंड के गदरपुर देहात और उत्तर प्रदेश के बिलासपुर देहात इलाके में आयुर्वेदिक विशिष्ट चिकित्सा केंद्र और रस शाला स्थापित करने वाले विश्व विख्यात पद्मश्री से सम्मानित वैद्य बालेन्दु प्रकाश को उड़ीसा राज्य में कटक स्थित श्री श्री आयुर्वेद विज्ञान के विद्यालय और अनुसंधान चिकित्सा केंद्र में एक वर्ष के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस नियुक्त किया गया है। श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए इस नियुक्ति पत्र में अपेक्षा की गई है कि वैद्य बालेन्दु द्वारा विद्यार्थियों के साथ शिक्षको के भी सर्वांगीण विकास के लिए समय समय पर विभिन्न प्रोग्राम आयोजित किए जाएँगे। जिससे छात्रो में अनुसंधान और रोजगार परक विशेषताओ के साथ चिकित्सा कौशल्य विकसित हो सके। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि वैद्य बालेन्दु आयुर्वेद में गैर शिक्षण क्षेत्र में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति है।

बीएलओ आनंदी देवी को किया सम्मानित

गदरपुर । एस एस पी मंजुनाथ टीसी ने गदरपुर शहरी क्षेत्र में सर्वाधिक पोलिंग हेतु बी एल ओ आनंदी देवी को सर्वाधिक मतदान करवाए जाने पर सम्मानित किया। आनंदी देवी को बूथ नंबर 56 पर मतदान हेतु जनता को जागरूक करने पर सम्मानित

किया गया। समाजसेवी निपुण गगनेजा और वार्ड वासियों ने एसएसपी मंजूनाथ टीसी का आभार जताते हुए धन्यवाद किया।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

जय श्री राम जय श्री बालाजी जय श्री राम
श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्वर्ण चोला श्रृंगार,छप्पन भोग, विशाल भंडारा एवं भव्य
श्री बालाजी दरबार
दिनांकः श्री बालाजी मंदिर, दिनेशपुर
दिनांकः 23 अप्रैल, दिनः मंगलवार, प्रातः 10 बजे से
निवेदक- राजेन्द्र, महंत श्री बालाजी मण्डल रजि0,दिनेशपुर

उत्तराखंड में नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण अधर में लटका

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के 102 नगर निकायों के चुनाव अभी और टल सकते हैं। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के कारण निकाय चुनाव की प्रक्रिया लटक गई है। एक आचार संहिता के बाद दूसरी लागू होने में भी तकनीकी पेच है। ओबीसी आरक्षण अधर में लटका हुआ है।पिछले साल दो दिसंबर से सभी निकायों में प्रशासक तैनात कर दिए गए थे। हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सरकार ने दो जून से पहले निकाय चुनाव कराने का वादा किया हुआ है, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद इसकी पूरी प्रक्रिया अटक गई है। एकल सदस्यीय समर्पित आयोग की रिपोर्ट के आधार पर निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया अटक गई।इसके लिए कैबिनेट से एक्ट में बदलाव होगा, क्योंकि अभी तक ओबीसी को 14 प्रतिशत आरक्षण का नियम था, लेकिन सर्वे रिपोर्ट के बाद यह कहीं 30 तक हो गया है तो कहीं इससे नीचे चला गया है। जब तक एक्ट में बदलाव नहीं होगा, तब तक आरक्षण लागू नहीं होगा। आरक्षण बिना चुनाव नहीं होंगे। इसी प्रकार, लोकसभा चुनाव की आचार संहिता छह जून तक लागू रहेगी।सूत्रों के मुताबिक, शहरी विकास विभाग ने इस संबंध में एक पत्र चुनाव आयोग को भेजा था, जिसमें कहा गया था कि चूंकि दो जून से पहले निकायों में नए बोर्ड का गठन होना है, इसलिए इसी दौरान चुनाव कराने होंगे। चुनाव आयोग ने एक आचार संहिता के बीच दूसरी आचार संहिता को लेकर इन्कार कर दिया है। ऐसे में दो जून से पहले निकाय चुनाव होने मुश्किल नजर आ रहे हैं। दो जून तक निकायों में चुनाव होकर नए बोर्ड गठित नहीं हुए तो पहला तो हाईकोर्ट में सरकार को जवाब देना होगा। दूसरा, चूंकि छह माह तक ही निकायों में प्रशासक तैनात करने का नियम है। इससे आगे की अवधि के लिए सरकार को एक्ट में बदलाव करना होगा। गौरतलब है कि निकायों में विकास कार्य प्रभावित होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पैरालंपिक खिलाड़ी भुवन चंद्र गुणवंत ने किया मतदान

हल्द्वानी। पैरालंपिक खिलाड़ी भुवन चंद्र गुणवंत ने हल्दूचौड़ स्थित पोलिंग बूथ पहुंचकर अपना वोट डाला। इस

दौरान उन्होंने लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में घरों से बाहर निकलकर अपने मत का प्रयोग करें। उन्होंने बताया की वर्ष 2010 में एक एक्सीडेंट में उनके दोनों पैर काटने पड़े थे मगर उन्होंने हार नहीं मानी और वह पैरालंपिक खिलाड़ी के रूप में देश को अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

नये ठेके होने से बढ़े शराब के दाम: बिष्ट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला आबकारी विभाग के निरीक्षक महेन्द्र सिंह बिष्ट ने शराब की दुकानों पर प्रिंट रेट से ज्यादा दामों पर हो रही शराब की बिक्री पर स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि सरकार के निर्देश पर राज्य में शराब की दुकानों के नये ठेके हो चुके हैं। सरकार की नीति के अनुसार शराब के दामों में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि अभी गोदामों में शराब के भंडारण का पहले से काफी कोटा रखा हुआ है। जिन पर पुराने रेट ही प्रिंट हैं। परंतु नये ठेके होने के बाद से शराब के दामों में हुई वृद्धि के कारण इस शराब को नये दामों पर बेचा जा रहा है। जो नियमानुसार सही है। श्री बिष्ट ने बताया कि पुराने शराब का भंडारण समाप्त होने पर नये रेट प्रिंट की

शराब दुकानों पर उपलब्ध करा दी जायेंगी। जिसके पश्चात लोगों को नये रेट की शराब मिलने लगेगी। उन्होंने सभी शराब खरीददारों से शराब खरीदने के दौरान शराब रेट को लेकर दुकान में किसी भी तरह की बहस न करने की अपील की।

पांचों सीटों पर 55.89 प्रतिशत मतदान

कम वोटिंग ने बढ़ाई प्रत्याशियों की बेचैनी,चुनाव आयोग की उम्मीदों को भी झटका

देहरादून। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर नौ तक मतदान प्रतिशत के जो रुझान आए हैं, उसने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की पेशानी पर बल पड़ गए हैं। प्रचार और जागरूकता की तमाम कोशिशों के बावजूद उत्तराखंड का मतदाता बड़ी संख्या में अपने घरों से बाहर नहीं निकला। इस बार लोकसभा चुनाव में 55.89% प्रतिशत मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 2019 के लोस चुनाव में पांचों सीटों पर 58.01 प्रतिशत वोट पड़े थे। देर रात्रि के आकड़े के अनुसार अल्मोड़ा लोकसभा – 46. 94%, पौड़ी गढ़वाल – 50.84%, नैनीताल – 61.35%, टिहरी गढ़वाल – 52.57%, और सम्पूर्ण उत्तराखंड – 55. 89% मतदान हुआ है। चुनाव आयोग ने उत्तराखंड में इस बार 75 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा था। 2019 में 61.88 प्रतिशत मतदान हुआ था, लेकिन इस बार पांचों सीटों पर मतदान 60 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा कर पाएगा, इसमें भी संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, चुनाव आयोग अंतिम आंकड़े आने के बाद मतदान प्रतिशत में अभी और वृद्धि की उम्मीद जता रहा है। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि अगले कुछ घंटों में मतदान और रफ्तार पकड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, चटखधूप के चलते तमाम मतदान केंद्र खाली होने लगे। तीन बजे तक 45. 62 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम पांच बजे यह आंकड़ा 55.89 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया। मतदान को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग के अधिकारी, स्थानीय प्रशासन, पुलिस व निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी दिन भर जुटे रहे। स्वयं मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा बीवी पुरुषोत्तम विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं को जांचते रहे। खुशुनमा मौसम के बीच सुबह सात बजे जब मतदान शुरू हुआ तो राजनीतिक दल, उम्मीदवार और चुनाव आयोग की टीम मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की जुटती भीड़ को देख उत्साहित थे, लेकिन यह उत्साह 11 बजे के बाद काफूर हो गया। तीन और पांच बजे मतदान के जो आंकड़े आए, उसने उम्मीदवारों की भी बेचैनी बढ़ा दी है। वहीं उत्तराखंड में आज पांच पांच बजे तक 53.56 फीसदी मतदान हुआ। कुछ मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए मतदाताओं की लंबी कतार देखने को मिली तो कुछ बूथों पर मतदान के लिए लोगों का इंतजार होता रहा लेकिन एक भी व्यक्ति वोट देने के लिए नहीं पहुंचा। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय जोगदण्डे ने शाम पांच बजे तक हुए मतदान के बारे में जानकारी दी। शाम 5 बजे तक उत्तराखंड में 53.56 प्रतिशत मतदान हुआ। बता दें कि साल 2019 में शाम 5 बजे तक 58.01 प्रतिशत मददान हुआ था। अभी कई मतदान केंद्रों के फाइनल आंकड़े प्राप्त नहीं हुए है। सबसे ज्यादा मतदान नैनीताल लोकसभा सीट पर 59.36 प्रतिशत हुआ। जबकि सबसे कम मतदान प्रतिशत अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर 44.43 प्रतिशत हुआ। पांच बजे तक नैनीताल लोकसभा में 59. 36 प्रतिशत मतदान हुआ। टिहरी लोकसभा में 51.01 प्रतिशत मतदान हुआ। गढ़वाल लोकसभा में 48.79 प्रतिशत मतदान हुआ। अल्मोड़ा लोकसभा में 44.43 प्रतिशत मतदान हुआ। हरिद्वार लोकसभा में 59.01 प्रतिशत मतदान हुआ। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय जोगदण्डे ने बताया कि अभी कई मतदान केंद्रों के फाइनल आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं। जिनके आंकड़े आने के बाद मत प्रतिशत बढ़ जाएगा। 55 से 56 प्रतिशत फाइनल आंकड़ा रहने की उम्मीद है। मत प्रतिशत गिरने पर विजय जोगदण्डे का कहना है कि शादी-विवाह और मौसम की वजह से हो सकता है मत प्रतिशत में कई आई है। पोस्टर बैलेट और वृद्ध जनों के पहले कराए गए मतदान के आंकड़े भी अभी जुड़ने बाकी हैं।

प्रदेश के चार जिलों में हुआ चुनाव बहिष्कार

देहरादून। प्रदेश में 2019 के मुकाबले इस बार मतदान प्रतिशत गिरने के साथ ही मतदान बहिष्कार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2019 में जहां 10 स्थानों पर चुनाव का बहिष्कार हुआ था, वहीं इस बार के चुनाव में यह आंकड़ा 25 को पार कर गया है। चकराता क्षेत्र में द्वार और बिशलाड़ खत के 12 गांवों के ग्रामीणों ने मतदान नहीं किया। छह मतदान स्थलों पर सुबह 7.00 बजे से लेकर शाम 5.00 बजे तक सन्नाटा पसरा रहा। तहसीलदार और एडीओ पंचायत ग्रामीणों को मनाने के लिए गांव में पहुंचे, लेकिन ग्रामीण नहीं मिले। मतदान स्थल मिंडाल में केवल दो मतदानकर्मियों ने मतदान किया। दांवा पुल-खारसी मोटर मार्ग का मरम्मत न होने से 12 गांवों मिंडाल, खनाड़, कुराड़, सिचाड़, मंझगांव, समोग, थणता, जोगियो, बनियाना, सेंजाड़, सनौऊ, टावरा आदि ने बहिष्कार किया। मसूरी में भी करीब सात मतदान केंद्रों पर इक्का-दुक्का ही वोट पड़े। चमोली जनपद में आठ गांवों के ग्रामीणों ने मतदान से दूरी बनाए रखी। निजमुला घाटी के ईराणी गांव में मात्र एक ग्रामीण का वोट पड़ा। पाणा, गणाई, देवराड़ा, सकंड, पंडाव, पिनई और बलाण गांव में ग्रामीणों ने मतदान नहीं किया। कर्णप्रयाग के संकड, आदिबदरी के पड़ाव, नारायणबगड़ के मानूर और बेड़गांव के ग्रामीण रहे मतदान से दूर। थराली के देवराड़ा और देवाल के बलाड़ में मतदान का पूर्ण बहिष्कार। विकास खंड पाबौ के मतदान केंद्र चौड़ में मतदाता वोट डालने के लिए नहीं निकले। इसकी जानकारी लगने पर आनन-फानन में निर्वाचन विभाग की टीम गांव पहुंची और ग्रामीणों से वोट डालने की अपील की। काफी मान- मनौव्वल के बावजूद सिर्फ 13 ग्रमीणों ने ही मतदान किया, जिसमें दो मत कर्मचारियों के पड़े। चौड मल्ला व तल्ला गांवों के कुल 308 मतदाता हैं। पिथौरागढ़ के धारचूला में तीन बूथों पर मतदान का बहिष्कार किया गया। देर शाम तक मनाने का प्रयास हुआ लेकिन निर्वाचन की टीम नाकाम रही। प्रदेश के चार जिलों में बुनियादी सुविधाएं न मिलने से नाराज होकर ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया, चमोली में एक सड़क स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन आचार संहिता की वजह से काम शुरू नहीं हो पाया। बावजूद इसके ग्रामीण वोट डालने को तैयार नहीं हुए। इसी प्रकार, चकराता, मसूरी, पिथौरागढ़ में भी लोगों ने सड़क, पानी आदि की सुविधा के विरोध में मतदान का बहिष्कार किया। लोकसभा सीटों पर मतदान को लेकर सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। लोकतंत्र के चुनावी महापर्व को लेकर एक तरफ जहां युवाओं में उत्साह नजर आया तो वहीं, बुजुर्ग मतदाता भी तमाम दिक्कतों के बावजूद पूरे उत्साह के साथ मतदान करने पहुंचे। इस बार राज्य में 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं से घर-घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराया गया था। बावजूद इसके कई बुजुर्ग मतदाताओं ने घर से मतदान के लिए मना कर दिया। जिसके बाद कई दिव्यांग और बुजुर्ग मतदान केंद्रों पर अपनों के साथ पहुंचे। प्रदेश में करीब 40 लाख युवा मतदाता हैं। वहीं, इसमें से करीब डेढ़ लाख फर्स्ट टाइम वोटर हैं। देहरादून में भी कई युवा मतदान करने पहुंचे। गौरतलब है कि उत्तराखंड में शाम

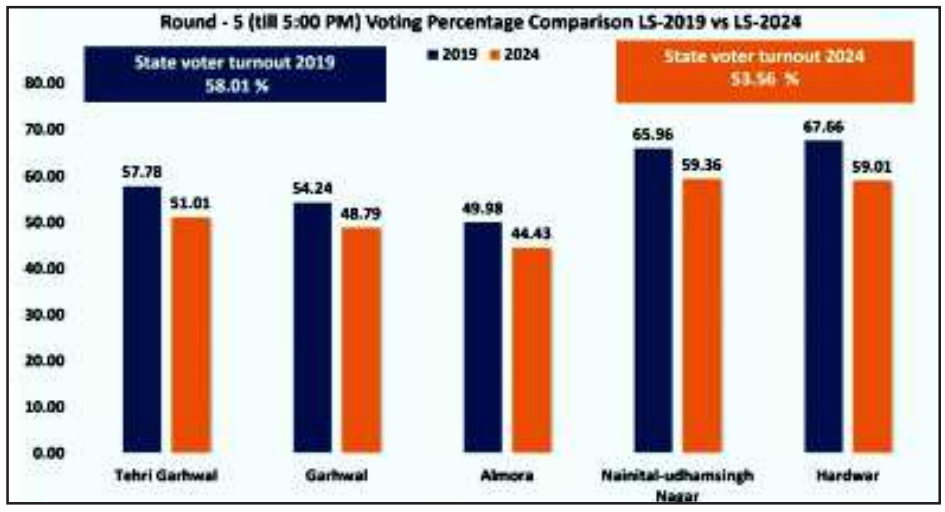

55 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद, 4 जून को आयेंगे नतीजे

देहरादून। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न होने के साथ ही मैदान में उतरे 55 प्रत्याशियों का भविष्य इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद हो गया है। अपनी-अपनी जीत की उम्मीद में सभी उम्मीदवार अब अगले 45 दिन तक परिणाम के इंतजार में रहेंगे। पहले चरण के तहत उत्तराखंड की पांचों सीटों पर हुए मतदान के बाद अब चार जून को मतगणना होगी। गढ़वाल लोस सीट पर 13 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। पिछले तीन हफ्तों से अधिक दिन तक पहाड़, मैदान, सड़क और पगडंडियां नापते रहे भाजपा के प्रत्याशी अनिल बलूनी और गणेश गोदियाल को अब चुनाव प्रचार में बहाये पसीने के बदले मिलने वाले वोटों का इंतजार है। गढ़वाल सीट तय करेगी कि 13 उम्मीदवारों में कौन मेरा प्रतिनिधि है। टिहरी लोस सीट पर 11 उम्मीदवारों में से मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और एक निर्दलीय प्रत्याशी के बीच ही माना जा रहा है। हालांकि, इस सीट पर मतदान प्रतिशत कम होने से राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से निहितार्थ टटोल रहे हैं, लेकिन लगातार दो बार राजपरिवार की प्रतिनिधि भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह टिहरी

की सांसद चुनी गई हैं। सवाल यही है कि इस बार कांग्रेस प्रत्याशी जोत सिंह गुनसोला और निर्दलीय बॉबी पंवार इस सीट पर राजपरिवार का तिलिस्म तोड़ पाएंगे या नहीं। गंगा नगरी हरिद्वार लोकसभा में किस प्रत्याशी की चुनावी नैया पार होगी। चुनाव मैदान में उतरे 14 उम्मीदवारों में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच माना जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत, कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत जो पूर्व सीएम हरीश रावत के बेटे हैं और खानपुर के विधायक निर्दलीय प्रत्याशी उमेश कुमार ने अपनी-अपनी जीत के दावे किए हैं। जातीय समीकरणों में उलझे इस चुनाव में पिछले चुनाव से कम मतदान के बाद अब सभी उम्मीदवारों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोकसभा सीट के मतदाताओं ने ईवीएम पर अंगुली दबाकर तय कर दिया है कि समर में उतरे सात उम्मीदवारों में से वह किसके साथ है। इस सीट पर दो बार के सांसद भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा और कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। मतदान के बाद दोनों ही प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोस सीट पर उतरे 10 प्रत्याशियों में से किसका दम दिखेगा, यह खुलासा चार जून को होने वाली मतगणना से होगा, लेकिन चुनाव प्रचार से लेकर मतदान के दिन तक मैदान में मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट और कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी के बीच ही होता दिखा है। दोनों उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं, लेकिन असल तस्वीर तो मतगणना के बाद ही सामने आएगी।

मतदान के बाद उत्तरांचल दर्पण में छपी दिन भर की खबरों पर नजर डालते नानकमत्ता के पाठक

रामनगर में हुई आचार्य प्रमोद कृष्णम के बेटे की शादी

सार्थक और शुभी को आशीर्वाद देने पहुंचे कई वीआईपी मेहमान,पीएम मोदी ने भी दी शुभकामनायें

रामनगर। कल्कि धाम के पीठाधीश आचार्य प्रमोद कृष्णम के पुत्र की शादी सांवल्दे स्थित एक रिसार्ट में हुई। शादी में लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र विभाकर शास्त्री समेत कई वीआईपी पहुंचे। गाजियाबाद निवासी कल्कि धाम के पीठाधीश आचार्य प्रमोद कृष्णम के पुत्र सार्थक के विवाह की रस्में सांवल्दे स्थित एक रिसॉर्ट में हुई। सार्थक की शादी आगरा की शुभी के साथ हुई है। दोनों परिवार शादी के लिए देवभूमि पहुंचे। शादी में वीआईपी व राजघराने के भी लोग पहुंचे। हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश व उपज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी ने भी विवाह समारोह में पहुंचकर वर वधू को आशीर्वाद दिया। बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वर-वधु के लिए बधाई संदेश भेजा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की जिसमें प्रधानमंत्री की ओर से बधाई पत्र को साझा किया गया। पीएम मोदी की ओर से आचार्य प्रमोद कृष्णम के पुत्र को शादी की बधाई दी गई। वहीं आचार्य ने पीएम का शुक्रिया अदा किया है।

अवैध शराब और चाकू सहित छह गिरफ्तार

गदरपुर(उद संवाददारता)। थाना अध्यक्ष जसवीर चौहान के नेतृत्व में लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत सघन चैकिंग अभियान चला कर अवैध कच्ची शराब की बिक्री करने वाले भिन्न-भिन्न मामलो में 5 व्यक्तियों को 160 लीटर अवैध कच्ची शराब व 01 व्यक्ति को एक अदद अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा । अवैध कच्ची शराब बरामदगी के मामले में पुलिस ने रेशम सिंह निवासी ग्राम सुखशांति नगर,किशन लाल निवासी कुलवन्त नगर,गुरदीप सिंह निवासी कंगनपुर,कुलदीप सिंह निवासी ग्राम खुशालपुर को 20-20 लीटर अवैध कच्ची शराब खाम की बरामदगी करने के साथ रंजीत सिह पुत्र पाल सिह निवासी ग्राम डलपुरा रोशनपुर को 100 लीटर अवैध शराब खाम के साथ तथा विक्की कुमार पुत्र स्व0 अनिल कुमार निवासी तेजा फौजा को पुलिस टीम द्वारा एक अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। । पुलिस टीम में एस आई बंसत प्रसाद, गणेश दत्त भट्ट, नरेन्द्रमार, मुकेश मिश्रा, सुरेश ढेक, बलवंत सिंह, दीपक जोशी, लक्ष्मण कुमार, जीवन फुलेरा, ललिता प्रसाद, जयप्रकाश, सूरज अधिकारी आदि शामिल है।

बिहार और दिल्ली के दो युवक गंगा में डूबे

ऋषिकेश। मुनिकीरेती थाना क्षेत्र में गंगा स्नान के दौरान बिहार और दिल्ली के दो युवक गंगा में डूब गए। युवकों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम ने गंगा में सर्च अभियान चलाया। देर शाम तक युवकों का पता नहीं चल सका। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को कौड़ियाला के पास बिहार के चार युवक गंगा स्नान के लिए पहुंचे। नहाते समय तेज बहाव की चपेट में आने से सीतामढ़ी के सनवर्षा निवासी अजय कुमार का बेटा आदित्य कुमार (23) गंगा में बह गया। उक्त चारों युवक चमोली जिले स्थित चोपता से भ्रमण कर वापस लौटे थे। इस दौरान कौड़ियाला में रूककर गंगा नदी में स्नान के लिए उतर गए। वहीं, पांडव पत्थर के पास निम बीच पर भी दिल्ली का एक युवक गंगा में स्नान के दौरान डूब गया। एसडीआरएफ के मुताबिक नई दिल्ली वेस्ट के बी-282, विकास विहार, उत्तम नगर निवासी गौरवनाथ वर्मा का बेटा रवि (26) अपने पड़ोसी प्रवीण वर्मा के परिवार के साथ ऋषिकेश घूमने आया था। मुनिकीरेती क्षेत्र में निम बीच पर गंगा स्नान के दौरान रवि गंगा नदी में डूब गया।

रामगढ़ से वोट डालने हल्द्वानी जा रहे चिकित्साधिकारी की हादसे में मौत

नैनीताल। नैनीताल के भवाली से बड़ी खबर सामने आ रही है। भवाली के पास मल्ला रामगढ़ के गागर में एक कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कार में बैठे व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कार सवार मतदान करने के लिए हल्द्वानी जा रहा था। हादसा शुक्रवार दोपहर का बताया जा रहा है। जनकती के अनुसार भवाली के पास मल्ला रामगढ़ के गागर में एक कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे होता देख स्थानीय लोग घायल को अचेत अवस्था में भवाली सीएचसी लेकर पहुंचे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कार में सवार व्यक्ति की पहचान डॉ. गौरव कांडपाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है मृतक रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारी थे। डॉ गौरव मतदान करने के लिए हल्द्वानी जा रहे थे। इस दौरान ये हादसा हो गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में शोक की लहर है।

आग लगने से कई एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

बाजपुर/किच्छा/गदरपुर। अलग-अलग जगह शुक्रवार को गेहूं की कई एकड़ फसल जलकर राख हो गई। किसानों ने गेहूं की कटाई के समय दिन में बिजली आपूर्ति बंद रखने की मांग की है। बाजपुर के गांव गजरौला में शॉर्टसर्किट से गेहूं की 25 एकड़ से अधिक फसल जल गई। फायर बिग्रेड नहीं पहुंचने पर किसानों ने नाराजगी जताई। गांव गजरौला निवासी अमरीक सिंह, जसविंदर सिंह, गुरमीत सिंह, मनजीत कौर, नरेश रानी, परमजीत सिंह, निर्मल सिंह के खेत में बिजली ट्रांसफार्मर के तारों से आग लग गई। किसानों ने ट्रैक्टर आदि से आग पर काबू पाया। किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने एसडीएम से किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की। इधर गांव फरीदपुर में आग लगने से शशि खत्री की पांच एकड़ गेहूं की फसल जल गई। पटवारी विक्रम सिंह ने दोनों जगहों की रिपोर्ट तहसीलदार को सौंपी है। वहीं किच्छा के ग्राम गिद्धपुरी में दरऊ पुलिस चौकी के पास खड़ी गेहूं की 10 एकड़ फसल जल गई। दमकल टीम ने आग बुझाई। आग की वजह शॉर्टसर्किट बताई जा रही है। किसान किशन चंद, अशोक कुमार, मनोहर लाल, कुंदन लाल, रमेश लाल की दो-दो एकड़ गेहूं की फसल जली है। इधर गदरपुर क्षेत्र के ग्राम केशवगढ़ में दोपहर 12 बजे अज्ञात कारणों से लगी आग से किसान वीर सिंह की डेढ़ एकड़ गेहूं की फसल जल गई। सतनाम सिंह एवं महादेव मंडल के खेत में भूसा बनाने के लिए छोड़ी गई आठ-आठ एकड़ गेहूं की नाड़ और कंबाइन के कटर के दो टायर आग की चपेट में आ गए। ग्राम कुंदननगर नंबर पांच में आग की चपेट में आने से ब्रीत बजाज के खेत में दो एकड़ गेहूं जल गई। उधर, ग्राम मझरा मरदान, मुकंदपुर डेरा एवं महतोष पुलिस चौकी के पास खेत में भूसा बनाने के लिए रखी गई करीब 15 एकड़ नाड़ स्वाहा हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड के जवानों ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। किच्छा रोड स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। तेज हवाओं से आग पहाड़गंज में आबादी की ओर से बढ़ने लगी। सूचना पर दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। एफएसओ गिरीश बिष्ट के निर्देश पर यूनिट प्रभारी लीडिंग फायरमैन प्रकाश चंद्र पांडे के नेतृत्व में टीम ने आग को बुझाया। आग बुझने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

वोट डालने का वीडियो बनाने पर युवक गिरफ्तार

रूद्रपुर। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान हो रहे है, इसी बीच रुद्रपुर के कुंडा थाना क्षेत्र से एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने वोट डालते समय वीडियो बना लिया, फिर उसे सोशल मीडिया (फेसबुक) में शेयर कर दिया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने युवक से वीडियो हटवाया। अब पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। रुद्रपुर के कुंडा थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने लोक सभा चुनाव के दौरान वोट डालते हुए एक वीडियो बना लिया। जिसके बाद युवक ने उस वीडियो को सोशल मीडिया अकाउंट पर भी अपलोड कर दिया। जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस टीम को लगी, वैसे ही पुलिस हरकत में आई और युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

शारदा नहर में बरामद हुआ बनबसा की महिला का शव

खटीमा। शारदा नहर में कूदी बनबसा निवासी एक महिला का शव शुक्रवार को चौथे दिन बरामद हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, बनबसा निवासी पूजा सिंह (28) ने 16 अप्रैल 2024 को बनबसा बैराज के पास शारदा नहर पुल से छलांग लगा दी थी। पुलिस तब से महिला की तलाश कर रही थी। शुक्रवार सुबह लोहियाहेड पावर हाउस के कंट्रोल रूम से महिला का शव जाली में अटका होने की सूचना मिली। लोहियाहेड पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप शर्मा ने मौके पर पहुंचे और शव को खटीमा उप जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। तहसीलदार हिमांशु जोशी ने शव का पंचनामा भरा। इसके बाद पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया।

उत्तराखंड में लगातार आग से धधक रहे जंगल

देहरादून। उत्तराखंड में इस साल जंगल अधिक धधक रहे हैं। तेज गर्मी और ऊपर से जंगलों में आग से वन्य जीवों की जान पर बन आई है। उनके सामने पानी और भोजन का संकट पैदा होने के साथ ही कुछ क्षेत्रों में शिकार का भी खतरा बना है। खासकर राजाजी टाइगर रिजर्व और नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के आबादी क्षेत्र से लगे जंगलों में शिकारी इन दिनों घात लगाए रहते हैं। प्रमुख वन संरक्षक वन्य जीव समीर सिन्हा के अनुसार गर्मी में जंगली जानवर आबादी की ओर आ सकते हैं,जिसे देखते हुए सभी डीएफओ को सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं। तेज गर्मी में वन्य जीवों के पीने के पानी की दिक्कत न हो, इसके लिए प्रदेश के पूरे जंगलों में पानी के गड्ढे बनाए गए हैं। कुछ क्षेत्रों में इसकी मरम्मत की जा रही है तो कुछ अन्य क्षेत्रों में नए गड्ढे बनाए जा रहे हैं। सभी प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पानी के गड्ढे जंगल में आबादी क्षेत्र से अलग बनाए जाएं, ताकि पानी की तलाश में वन्य जीव आबादी की तरफ न आ सकें। कहा, सभी डीएफओ को वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पर्यावरणविद पद्मश्री कल्याण सिंह रावत बताते हैं कि यह समय वन्य जीवों के प्रजनन काल का होता है। जंगल में आग से जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है। खेतों में खर पतवार फूंकने की वजह से कई बार जंगल में आग लग जाती है। इसके अलावा कुछ लोग जानबूझकर भी जंगलों में आग लगाते हैं। पहाड़ के जंगलों में आग से जैव विविधता प्रभावित होने के साथ ही क्षेत्र में श्वास के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में पांच जगह जंगलों में आग भड़की है। चकराता वन प्रभाग के वन पंचायत क्षेत्र में एक, लैंसडौन वन प्रभाग में दो और पिथौरागढ़ वन प्रभाग के आरक्षित वन क्षेत्र में दो जगह आग लगी है। जिससे तीन हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

मतदान केंद्रों पर उपद्रव

आम चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न हो गया। ज्यादातर इलाकों में तेज गर्मी के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। हालांकि कुछ जगहों पर हिंसक घटनाओं ने जरूर लोकतंत्र के इस उत्सव को बदरंग करने की कोशिश की, पर अच्छी बात है कि उनसे मतदाताओं और मतदान की प्रक्रिया पर बहुत नकारात्मक असर नहीं देखा गया। मणिपुर लंबे समय से जातीय हिंसा की चपेट में है और वहां पहले से चुनाव के विरोध का स्वर उभर रहा था। इसलिए अगर कुछ मतदान केंद्रों पर उपद्रव की घटनाएं हुईं, तो इसकी वजहें समझी जा सकती हैं। वहां चुनाव कराना निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती थी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक मतदान केंद्र के पास नक्सलियों ने विस्फोट किया। यह भी कोई अनपेक्षित घटना नहीं थी, क्योंकि मतदान से दो दिन पहले ही वहां सुरक्षाबलों ने उनतीस नक्सलियों को मार गिराया था। उस घटना की प्रतिक्रिया में हमले की आशंका पहले से थी। हालांकि वहां भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और मतदान की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न नहीं हुई। मगर पश्चिम बंगाल में जिस तरह की हिंसा देखी गई, वह जरूर चिंता पैदा करती है। पश्चिम बंगाल के हर चुनाव में हिंसा की आशंका बनी रहती है। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता छोटी-छोटी बातों को लेकर गुत्थमगुत्था होते और हिंसक घटनाएं करते देखे जाते रहे हैं, उसमें इस चुनाव में भी व्यापक हिंसा की आशंका पहले से जताई जा रही है। उसकी शुरुआत कूचबिहार में देखी गई। वहां भाजपा के प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि राज्य के सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता लोगों को धमकाने और मतदान से रोकने का प्रयास करते रहे। यही आरोप तृणमूल कांग्रेस ने भी भाजपा कार्यकर्ताओं पर लगाए। उपद्रवियों की धर-पकड़ और हिंसा पर काबू पाने के क्रम में की गई तलाशी में कई बम भी बरामद किए गए। जाहिर है, हिंसा की तैयारियां वहां पहले से की गई थीं। पश्चिम बंगाल के हर चुनाव में निर्वाचन आयोग अतिरिक्त रूप से सतर्क रहता है। इसलिए भी कूचबिहार में किसी बड़ी घटना की साजिशों को रोकने में कामयाबी मिल गई। मगर अभी वहां बाकी चरणों के चुनाव होने हैं, जिनमें हिंसा की आशंका बनी हुई है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग का सहयोग करे। यह ठीक है कि राजनीतिक दल अपनी विजय सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश करते हैं। मगर इसका लोकतांत्रिक तरीका होता है। ऐसा नहीं कि प्रतिद्वंद्वी दल के कार्यकर्ताओं पर हिंसक हमले करके उन्हें मतदान से रोका और अपने पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। अगर कोई राजनीतिक दल अपने कामकाज और सैद्धांतिक प्रभाव से मतदाता का विश्वास अर्जित नहीं कर पाता, तो उसे जीत का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह जाता। मगर कुछ समय से धनबल और बाहुबल के जरिए चुनाव को अपने पक्ष में करने की अनैतिक कोशिशें बढ़ी हैं। लोकतंत्र मतदाता के भरोसे और विश्वास पर टिका होता है, अनैतिक तरीकों से मत अर्जित कर सत्ता में पहुंचे लोगों से लोकतंत्र की सुरक्षा की उम्मीद नहीं की जाती। जब तक राजनीतिक दल हिंसा के जरिए सत्ता में पहुंचने या बने रहने का रास्ता नहीं छोड़ेंगे, तब तक सही अर्थों में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं बन पाएंगे।

बेलगाम नक्सलियों पर कसता शिकंजा

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का संगठन अब सिमटता दिखाई दे रहा है। कांकेर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29 नक्सली ढेर कर दिए। इस वर्ष अब तक 80 नक्सली मारे जा चुके हैं। अतएव भारत सरकार का दावा है कि छत्तीसगढ़ में नक्सली सीमित क्षेत्र में सिमटकर रह गए हैं, जिनका जल्द सफाया कर दिया जाएगा। हालांकि ऐसे दावे नए नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकारें नक्सलियों के समूह में मारे जाने के बाद ये दावे हमेशा करती रही हैं। बावजूद माओवादी हिंसा देखने में आती रही है। इसके शिकार सुरक्षाबल और स्थानीय पुलिसकर्मी होते रहे हैं। बड़ी संख्या में कांग्रेस और भाजपा के नेता भी मारे गए हैं। दरअसल सीमित क्षेत्र में सिमट जाने के बावजूद नक्सलियों को आधुनिक हथियार और दुर्गम क्षेत्रों में भी काम करने वाली संचार प्रणाली की उपलब्धता कराई जा रही है। इससे साफ होता है कि नक्सलियों की चौन अभी पूरी तरह टूटी नहीं है। इसीलिए 40 साल से नक्सलियों का कहर सुरक्षाबलों से लेकर उनकी मुखबिरी करने वाले निर्दोश लोगों पर टूटता रहा है। लेकिन बीते साढ़े तीन माह के भीतर 80 नक्सलियों का मारा जाना एक बड़ी उपलब्धि है और कहा जा सकता है कि सरकार और सुरक्षाबल इन्हें निर्मूल कर देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति शेष है। पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही हैं, जबकि शांति का पैगाम देकर नक्सली अपने संगठन की ताकत बढ़ाने और हथियार इकट्ठा करने में लगे रहते हैं। ऐसा इसलिए है कि छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं और इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका हैं, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों, छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति बरकरार है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया है कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आई है, लेकिन बेनतीजा रही। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ है कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में नक्सली नेता हिडमा का बोलबाला है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा है, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास रणनीति की कमी है। यही वजह है कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती है तो नक्सली उसमें रोड़ा अटकाते हैं। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही हैं, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश लग रहा है ? बल्कि अब छत्तीसगढ़ नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बन गया है। अब बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिल रहे हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से दुशमनी ठन गई। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है। व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था। लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल उद्देश्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्र प्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। किंतु विशमता और शोषण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया है, जो पशुपति ;नेपालद्ध से तिरुपति ;आंध्रप्रदेशद्ध तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसरा हुआ है। जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरुरी हो जाता है, कि उसे नेस्तानाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए ? हालांकि देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ है। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता है, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता है। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायलय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है।

प्रमोद भार्गवः लेखक, साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तो अबकी बार 'मोदी की गारंटी' से ही बनेगी 'जीत की हैट्रिक'

उत्तराखंड में 14 स्टार प्रचारकों ने की 97 जनसभाए, 13 केंद्रीय नेताओं ने भरी थी हुंकार
एंटी इनकंबेंसी और इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशियों को भी मिल सकती है संजीवनी

धामी ने धुंआधार प्रचार से मनाया माहौल

देहरादून(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड में पहले चरण के लिए पांचों सीटों पर मतदान सम्पन्न हो चुका है। वहीं चुनाव के नजीजे आगामी 4 जून को आयेंगे। भाजपा को पूरा भरोसा है कि मोदी मैजिक पूरे राज्य में महत्वपूर्ण भूमिका में रहेगा जबकि कांग्रेस की उम्मीदें पिछले 10 वर्ष की एंटी इनकंबेंसी पर

टिकी हुई हैं। भाजपा जहां खुलकर प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के नाम पर जन समर्थन मांगा तो वहीं वहीं कांग्रेस अलग-अलग सीटों पर भाजपा को स्थानीय मुद्दों पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जबकि कांग्रेस भी गरीबों और बेरोजगारों के लिए न्याय गारंटियों केसाथ महंगाई बेरोजगारी के मुद्दे पर मुख्य होकर मोदी सरकार के खिलाफत करते हुए दिखी। हांलाकि भाजपा भी उत्तराखंड के चहुमुखी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार बनाने का दावा कर रही है। देश के राष्ट्रीय मुद्दों को धार दने के साथ ही राम मंदिर निर्माण व राज्य में केंद्र की मदद से चल रही विकास परियोजनाओं का विषय भी चुनाव में प्रभावी रहेगा। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर 83.37 लाख मतदाता कुल 55 प्रत्याशियों के राजनीतिक भाग्य का फैसला करेंगे। परंपरागत रूप से यहां महासमर के मुख्य मुकाबले में भाजपा और कांग्रेस ही आमने-सामने रहती हैं और इस चुनाव में भी तस्वीर कुछ अलग नहीं। हरिद्वार और नैनीताल-ऊधम सिंह नगर सीट पर

देहरादून। उत्तराखंड में लोकसभा की केवल पांच सीटें हैं, लेकिन भाजपा के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। चुनाव प्रचार अभियान में जिस तरह से भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों को झोंके रखा, वह इससे साबित होता है।पिछले 20 दिनों का ही परिदृश्य देखें तो इस अवधि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत पार्टी के 13 केंद्रीय नेताओं की 52 सभाएं हुई, जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी धुआधार प्रचार कर 45 रोड शो और जन सभाओं को संबोधित किया। उत्तराखंड में दो बार प्रधानमंत्री, गृह मंत्री समेत अन्य बड़े नेताओं की सभाओं में भी मुख्यमंत्री ने संबोधन किया। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट समेत अन्य स्टार प्रचारकों ने प्रदेश के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में छोटी-बड़ी सभाओं व अन्य कार्यक्रमों में भाग लेकर माहौल बनाने का काम किया। भाजपा ने अपनी चुनावी सभाओं का सिलसिला 29 मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के थराली व पुरोला के दौरे से शुरू किया।भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी के अनुसार 29 मार्च से 17 अप्रैल तक की अवधि में मुख्यमंत्री ने पांचों लोकसभा क्षेत्रों में 45

जनसभाओं को संबोधित किया। पार्टी के तमाम केंद्रीय नेताओं की सभाओं में वह शामिल रहे। केंद्रीय नेताओं की सभाओं का क्रम दो अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रुद्रपुर रैली से हुआ। प्रधानमंत्री की दूसरी रैली 11 अप्रैल को ऋषिकेश में हुई थी।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की चार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चार, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की एक, केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह की चार, शांतनु ठाकुर की तीन, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम की 16, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तीन, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की तीन, बिहार के कैबिनेट मंत्री शाहनवाज हुसैन की सात और सांसद मनोज तिवारी की एक सभा हुई। भाजपा के प्रदेश महामंत्री कोठारी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में सभाएं संबोधित की। इसके अलावा वह बड़े नेताओं की सभाओं में भी शामिल रहे। यही नहीं, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व तीरथ सिंह रावत, राज्य सरकार में मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डा धन सिंह रावत, गणेश जोशी, रेखा आर्या व सौरभ बहुगुणा, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री दीप्ति रावत, प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल समेत अन्य स्टार प्रचारकों ने भी विभिन्न क्षेत्रों में सभाएं कीं।

इंडिया गठबंधन दलों की ताकत कांग्रेस के लिये संजीवनी बन सकता है। जबकि बसपा की कोशिश मुकाबले को त्रिकोणीय शक्ल देने की है, लेकिन उसे मिलने वाले मत किसे फायदा या नुकसान पहुंचाएंगे, बसपा की भूमिका इस दृष्टिकोण से अवश्य निर्णायक हो सकती है। क्षेत्र विशेष के मुद्दों को लेकर अलग-अलग सीटों पर मैदान में उतरे निर्दलीय समेत कुछ प्रत्याशी भी ताल ठोक रहे हैं, लेकिन जीत-हार के अंतर को प्रभावित करने के अलावा इनकी भूमिका चुनाव में क्या रहती है, यह नतीजों के बाद ही साफ होगा। वर्ष 2014 व 2019 के बाद लगातार तीसरी बार पांचों सीट पर जीत की हैट्रिक लगाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा स्टार प्रचारकों के मामले में कांग्रेस से कहीं आगे रही। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धुंआधार प्रचार किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं प्रचार अभियान के मोर्चे पर डटे रहे। उधर कांग्रेस के लिए बड़े नेताओं में केवल केवल प्रियंका गांधी वाड्रा ही उत्तराखंड पहुंचीं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी यहां एक जनसभा की। संसदीय सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के मध्य ही नजर आ रहा है। राज परिवार की पारंपरिक इस सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में तीन बार की सांसद महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह को चुनौती दे रहे हैं कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला चुनाव लड़ रहे है। गढ़वाल संसदीय सीट पर राज्यसभा सदस्य रहे और भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से है। हरिद्वार संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के सामने ताल ठोक रहे हैं कांग्रेस के वीरेंद्र रावत, जो पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र हैं। बसपा ने उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक जमील अहमद को उतारा है। हरिद्वार जिले की खानपुर सीट से विधायक उमेश कुमार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में किस्मत आजमा रहे हैं। अल्मोड़ा सीट पर भी भाजपा और कांग्रेस के बीच आमने-सामने की टक्कर तय है। भाजपा से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा के सामने कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा चुनाव मैदान में हैं। नैनीताल-ऊधम सिंह नगर सीट पर भाजपा प्रत्याशी के रूप में केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट से लोहा ले रहे हैं कांग्रेस के प्रकाश जोशी, जो पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव हैं। बसपा प्रत्याशी के रूप में लईक अहमद मैदान में हैं।

अटरिया मेले में जुटने लगी श्रद्धालुओं की भीड़

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। चुनाव का शोर खत्म होते ही प्राचीन अटरिया मेले में रौनक बढ़ने लगी है। बड़ी संख्या में लोग मेले में मां अटरिया देवी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। 16 अप्रैल को प्रसिद्ध मां अटरिया धाम में मेले का आगाज हुआ था।मंगलवार को माता अटरिया का डोला हजारों श्रद्धालुओं के बीच रमपुरा से अटरिया मंदिर लाया गया। मंगलवार से ही म ाता के दर्शन के लिए मंदिर में भक्तों का तांता लग रहा है। शुरूआत में दो तीन दिन बाहर से आये व्यापारी मेले में दुकानें सजाने में जुटे हुए थे। अब मेला श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह सज चुका है। लगभग एक माह तक चलने वाले इस मेले में देश के कई राज्यों से श्रद्धालु मां के दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। बता दें 200 ईसवी के आसपास बना मां अटरिया धाम लोगों की अगाध श्रद्धा का केंद्र है। उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देश भर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। कहा जाता है कि निर्माण के बाद किसी आक्रमणकारी ने मंदिर को तोड़ दिया था और मूर्तियों को पास के कुएं में डाल दिया था। मंदिर के प्रबंधक अरविन्द शर्मा ने बताया कि साल 1588 में अकबर का शासन काल था, जिसके बाद तराई का क्षेत्र राजा रूद्र चंद के कब्जे में आया। ऐसा माना जाता है कि एक बार राजा रूद्र इस क्षेत्र के जंगल में घूम रहे थे। इस दौरान उनका रथ का पहिया मंदिर वाले स्थान पर फंस गया।. काफी कोशिश के बाद भी रथ का पहिया नहीं निकला, तो वह पास के ही बरगद के पेड़ के नीचे आराम करने लगे। तभी उन्हें स्वपन में माता ने बताया कि जिस स्थान पर रथ का पहिया फंसा हुआ है, उसके नीचे कुआं हैं, जहां पर मेरी प्रतिमा को दबा दिया गया है। जैसे ही राजा जागे और उन्होंने सिपाहियों को खुदवाने में लगाया तो कुएं से माता अटरिया की मूर्ति निकली, जिसके बाद राजा रूद्र ने उस स्थान पर मंदिर बनाया। तब से लेकर अब तक यहां पर हर साल मेले का आयोजन होता रहता है। हर साल मेले में मां की मूर्ति को दर्शन के लिए विराजमान किया जाता है। प्रबंधक अरविंद शर्मा ने बताया कि मेले में सभी व्यवस्थायें दुरूस्त हैं। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मेले को इस बार पहले से आकर्षक बनाया गया है। मेले में मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, मौत का कुंआ सहित तमाम व्यवस्थायें की गयी है। मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए व्यवस्थायें चाक चौबंद है। मेले में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम हैं। प्रबंध क अरविंद शर्मा ने बताया व्यवस्थाओं में पंकज गौड़, मनीष शर्मा, राम सिंह, चौ. धनराज सिंह, दीपा शर्मा, सुनीता गौड़, सौरभ शर्मा, भानु प्रताप, शांति पाल गंगवार, वीरेन्द्र शर्मा, मनाक्षी शर्मा आदि लोग जुटे हैं।

वोट डालकर युवाओं के चेहरे पर दिखी चमक

गदरपुर(उद संवाददाता)। 18 वर्ष की आयु पार करने के बाद गदरपुर की कई युवतियों ने पहली बार मतदान में हिस्सा लेकर खुशी व्यक्त की। वार्ड नंबर 4 की निवासी श्रद्धा पुत्री बिजेंद्र कुमार ने अपना पहला वोट डालकर बताया कि युवाओं को सबसे अधिक रोजगार की आवश्यकता है शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार के लिए सहयोग मिले उम्मीद है जो भी सरकार बनेगी वो इस दिशा में काम करेगी। श्रद्धा की बहन श्रुति ने भी अपना पहला वोट डालकर बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए पहली बार मतदान किया है। आने वाली सरकार से उम्मीद है कि वह रोजगार को लेकर युवाओं की पीड़ा समझेगी और आने वाले समय में विकल्प बढ़ाएगी। सरकार को बालिकाओं के लिए विभाग में अलग से काउंटर होने चाहिए जहां से वह सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन कर सकें। इसके अलावा स्वरोजगार के लिए उनकी समय-समय पर काउंसलिंग भी की जानी चाहिए । अपना प्रथम वोट डालने पहुंची खुशबू ने बताया कि उन्होंने अपना पहला वोट लोकसभा चुनाव के लिए दिया है जो भी सरकार बने युवाओं का विशेष ध्यान रखें। प्रथम बार बोर्ड करने वाले युवाओं के चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखी गई कई युवा अपने भाई तो कोई माता तो कोई पिता के साथ पहले वोट डालते हुए देखा गया।

गदरपुर में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ मतदान

गदरपुर (उद संवाददाता)।नैनीताल उधम सिंह नगर लोकसभा सीट चुनाव की गदरपुर विधानसभा से 67.92 प्रतिशत मतदान हुआ। गदरपुर विध ानसभा में 149066 मतदाता थे जिसमें से 76845 पुरुष मतदाता वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 72219 थी 52746 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया उनका मतदान प्रतिशत 68.63 रहा वहीं महिला मतदाताओं ने 48506 मताधिकार का प्रयोग किया महिलाओं का मतदान प्रतिशत 67.16 रहा टोटल149066 मतदाताओं में से 101252 मतदाताओं ने मतदान किया गदरपुर विधानसभा में 67.92% मतदान रहा। शुक्रवार की सुबह 7 से ही लोग अपने मत/वोट का प्रयोग करने के लिए अपने नजदीकी पोलिंग बूथ पर जाकर लाइनों में लगकर शांतिपूर्ण तरीके से वोट डालते हुए देखे गए वही समाजसेवी मोहम्मद आलम और उनकी टीम लोगों को मतदान के लिए भी जागरूक करती रही। सुबह 7 बजे से 11 बजे तक अच्छी खासी भीड़ पोलिंग बूथ पर देखी गई। 11के बाद गर्मी बढ़ जाने के कारण वोटरों की संख्या कुछ कमी नजर आई। नैनीताल लोकसभा सीट पर शुक्रवार को मतदान हुआ मतदाताओं ने गर्मी और धूप की परवाह किए बिना अपने-अपने मत का प्रयोग किया। यहां भारतीय जनता पार्टी से अजय भट्ट कांग्रेस से प्रकाश जोशी सहित आधा दर्जन प्रत्याशी चुनाव मैदान में है नैनीताल लोकसभा क्षेत्र की गदरपुर नगर में लगभग 16000 मतदाता हैं। शाम 5 बजे तक लगभग 60% मतदान हुआ। कुछ मतदाता इस बार वोट ना आने के कारण मतदान से वंचित रह गए। बूथों पर धूप से बचाव के इंतजाम न होने पर मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। मतदान के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से बूथों पर पुलिस बल तैनात रहा।

पेज एक का शेष...

विवाह समारोह में ...युवकों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। देखते ही देखते वहां मारपीट शुरू हो गई कुछ युवकों ने लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी और उन्हें दौड़ा दौड़ा कर मारने लगे। जिससे वहां अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। महिलाएं मदद को चीखने चिल्लाने लगीं। मारपीट की इस घटना में वर पक्ष के शिवनगर निवासी राजन पुत्र चन्द्रसेन, सुनहरी कालोनी किच्छा निवासी राजा सागर पुत्र चन्द्रपाल, गैस ऐजेंसी रोड़ किच्छा निवासी दीपक पुत्र करन सिंह, विक्की पुत्र सुन्दरलाल, पवन पुत्र सुन्दर लाल, सुनीता पत्नी लालता प्रसाद, उसकी पुत्रियां शिवानी, कविता, खुशबू, किरन सहित अन्य लोग व दूसरे पक्ष के विशाल पुत्र अरूण वर्मा, अभिषेक पुत्र लालू वर्मा, आशू पुत्र संदीप वर्मा आदि शामिल हैं। वहीं वर पक्ष की महिलाओं ने हमलावर युवकों पर हाथ से मोबाईल, नगदी व पहने हुए जेवर भी लूट ले जाने का आरोप लगाया है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मी मौके पर आ पहुंचे और उन्होंने दोनों पक्षों को तितर बितर कर शांत कराया तथा मामले की विस्तार से जानकारी लेकर सभी घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय भिजवाया। समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष द्वारा पुलिस को तहरीर नहीं दी गई थी तथा सभ्रांत लोग दोनों पक्षों में सुलह कराने का प्रयास कर रहे थे।

गेट पर गिर पड़े... इस घटना को कुछ लोगों ने अपशगुन भी माना। लेकिन इस बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। पर बारात के वधू के घर प्रवेश करने के कुछ देर बाद ही मारपीट की घटना हो गई।

मजदूरी के लिए निकले...लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसी बीच आज सुबह मंडी चौकी पुलिस को किसी ने जानकारी दी की जसपुर रोड पर मेरठ टायर के समीप हाईवे किनारे एक युवक का रक्त रंजित शव पड़ा है। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने पर उसने तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। मौके से पुलिस को मृतक का टूटा मोबाइल मिला है। मृतक के सिर तथा पर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के गंभीर निशान पाए गए। मृतक की शिनाख्त के बाद पुलिस ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलने पर रोते-बिलखते परिजन चौकी पहुंच गए। पुलिस ने मृतक के शव का अंत्य परीक्षण कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक तीन भाई दो बहन है। वह भाई बहनों में सबसे बड़ा था। सभी भाई बहन अभी अविवाहित हैं। अचानक घटी घटना को लेकर मृतक परिवार में कोहराम मचा है। उधर दूसरी ओर मंडी चौकी प्रभारी मनोहर चंद ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने पर एक चौकीदार ने पुलिस को बताया कि देर रात एक अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त इनोवा को खींच कर ले गई। फुटेज चेक करने पर हकीकत खुद ब खुद सामने आ जाएगी। मृतक के छोटे भाई गौरव कुमार ने बताया कि उसका भाई साधारण जीवन जीने वाला इंसान था। उसकी कभी किसी से कोई रंजिश नहीं थी। अकस्मात घटित घटना हैरत जनक है।

सिडकुल में वसूली का ...परंतु नहीं। बातचीत में किरन विर्क यह भी साफ बता रहे हैं कि जो हमारा चल रहा है वो चलता रहेगा, काम चाहे जो भी करे। इस ऑडियो के वायरल होने के बाद ठेकेदार एवं पूर्व सभासद राजेश सिंह का बयान भी सामने आया है जिसमें उनका कहना है कि सिडकुल स्थित एक कंपनी में उनका स्क्रैप का टेंडर हुआ था। जिस पर उन्होंने माल उठाने के लिए अपने सहयोगी को ट्रक और लेबर के साथ भेजा। लेकिन तभी वहां दस पन्द्रह लड़के आ गये और उन्होंने लेबर के साथ मारपीट करके वहां से भगा दिया और ट्रक वाले को कहा कि माल उठाने से पहले विधायक से या फिर किरन विर्क से बात कर लो। राजेश के मुताबिक उसके सहयोगी ने पूरी बात बताई तो उन्होंने किरन को फोन किया। फोन में किरन विर्क ने 33 प्रतिशत की मांग की। बाद में वह खुद किरन विर्क से मिलने गये लेकिन तब भी उन्होंने साफ साफ एक ही बात कही कि काम तभी करेंगे जब 33 प्रतिशत देंगे। राजेश के अनुसार उन्होंने 33 प्रतिशत देने के बजाय उस कंपनी में काम ही छोड़ दिया। राजेश का आरोप है कि विधायक के नाम पर गुर्गे घूम रहे हैं वही वसूली करते हैं, हर कंपनी में इनका कमीशन सैट है। उन्होंने कहा कि कमीशन के खेल में सरकारी मशीनरी का भी खुलकर दुरूपयोग किया जा रहा है।

धूमधाम से मनाया जाएगा बाबा श्याम का प्राण प्रतिष्ठा का समारोह

गदरपुर (उद संवाददाता)। श्री श्याम मित्र मंडल गदरपुर की ओर से 21 अप्रैल को सनातन धर्म मंदिर परिसर में नवनिर्मित खाटू श्याम जी मंदिर में बाबा के नए स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया जायेगा। जिसमें पंडित विजय शास्त्री द्वारा प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक पूजा अर्चना के उपरांत बाबा के स्वरूप को नव निर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रतिष्ठित किया जाएगा इसके उपलक्ष्य में शाम 8 बजे से कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया होगा, जिसमें रुद्रपुर से भजन गायक अमन सांवरिया और बरेली से आई भजन गायिका आयोजिका अरोड़ा द्वारा भजनों से बाबा को रिझाया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने सभी से अधि क से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

गुरू माँ

A.C. चाहिए
Guru Maa Electronics आइये

घर ले जायें AC
मात्र 1 रुपये में

आज ही डिलीवरी आज ही इंस्टालेशन

BAJAJ FINSERV
CASH BACK WEEKEND UPTO 7500*

आधार लाये
उधार ले जाइये

SBI
CASH BACK UPTO 5%*

VOLTAS | DAIKIN | MITSUBISHI ELECTRIC | AMSTRAD | HITACHI | Carrier | SAMSUNG | BLUE STAR | IFB | Whirlpool | LLOYD

रुद्रपुर-काशीपुर बाईपास रोड I Mob: 9927882338